19R

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत पारंगत (एम.ए.) – नियमित

परीक्षा : जानेवारी – २०२३

सत्र ३ रे

विषयः व्याकरण –१ (अष्टाध्यायी) (19R3303)

दिनांक: ०६/०१/२०२३ **गुण : ६०** **वेळ : स. १०.०० ते १२.३०**

प्र.१. अधोनिर्दिष्टेषु केषुचित् चत्वारि सूत्राणि स्पष्टीकुरुत। **(२०)**

१. नाज्झलौ। २. आद्यन्तौ टकितौ। ३. स्थानेऽन्तरतमः ४. न लुमताङ्गस्य।

५. ऊकालोऽज्झ्रस्वदीर्घप्लुतः। ६. जात्याख्यायामेकस्मिन् बहुवचनमन्यतरस्याम्

७. प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्।

प्र.२. अष्टाध्यायीमनुसृत्य सर्वनामसंज्ञासूत्राणि इति अमुं विषयधिकृत्य सविस्तरं निबन्धं लिखत। **(१५)**

अथवा

वैदिकस्वरविषयकाणि सूत्राणि अष्टाध्याय्याः द्वितीयपादानुसारेण स्पष्टीकुरुत।

प्र.३. सूत्राण्युद्धृत्य काश्चन पञ्च संज्ञाः सोदाहरणं स्पष्टयत। **(२०)**

१. धुसंज्ञा २. संख्यासंज्ञा ३. सवर्णसंज्ञा ४. वृद्धिसंज्ञा

५. टिसंज्ञा ६. घसंज्ञा ७. सर्वनामस्थानम्

प्र.४. पञ्च रिक्तस्थानानि पूरयत। **(०५)**

१. स्वं रूपं ..... अशब्दसंज्ञा।

२. ..... अनुनासिकः।

३. स्वरादिनिपातम्.....।

४. ..... सम्प्रसारणम्।

५. अनेकाल्शित् .....।

६. अचः..... पूर्वविधौ।

७. ..... लुक्श्लुलुपः।

८. ..... प्रत्ययलक्षणम्।